vinetur

# सर्वेक्षण में 60% यूरोपीय स्पिरिट्स उत्पादकों ने कारोबारी माहौल को बदतर बताया

अधिकांश कंपनियों ने कहा कि वे नियमन, कर, मुद्रास्फीति, नौकरशाही और व्यापार विवादों के दबाव के बावजूद निवेश स्थिर रखेंगी।

मंगलवार, 22 सितंबर 2026



यूरोपीय स्पिरिट्स उत्पादकों का कहना है कि वे अपने उत्पादों का निर्माण, निवेश और विकास यूरोप में ही करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन मंगलवार को ब्रसेल्स में जारी एक नए उद्योग सर्वेक्षण से यह चिंता बढ़ती दिख रही है कि यह क्षेत्र विस्तार के लिए अधिक कठिन स्थान बनता जा रहा है।

ब्रसेल्स में spiritsEUROPE की “Spirit of Life Week” के दौरान प्रकाशित इस सर्वेक्षण में पाया गया कि कई उत्पादक, कमजोर कारोबारी माहौल बताने वाली चुनौतियों के बावजूद, अपना धन और संचालन यूरोप में ही रखने की योजना बना रहे हैं। व्यापार समूह ने कहा कि नतीजे मुद्रास्फीति, उपभोक्ता खर्च में नरमी, विनियमन, कर-भार, नौकरशाही और व्यापार तनाव से बढ़ते दबाव की ओर इशारा करते हैं।

spiritsEUROPE ने कहा कि यह क्षेत्र पूरे महाद्वीप में कृषि, विनिर्माण, पर्यटन और आतिथ्य से जुड़कर व्यापक आर्थिक भूमिका निभाता है। समूह के अनुसार, स्पिरिट्स उद्योग यूरोप में 12 लाख नौकरियों को सहारा देता है, €60 अरब के सकल मूल्य वर्धन का सृजन करता है, और सालाना €25.3 अरब का कर राजस्व लाता है। उसने यह भी कहा कि यूरोपीय स्पिरिट्स के 250 भौगोलिक संकेतक हैं, जिन्हें उसने क्षेत्र की सांस्कृतिक और वाणिज्यिक पहचान का अहम हिस्सा बताया।

सर्वेक्षण में 50 स्पिरिट्स उत्पादकों की प्रतिक्रियाएँ शामिल थीं, जिनमें छोटे और मध्यम आकार की कंपनियाँ सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश प्रतिभागियों में थीं। निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि, हालांकि कई कंपनियाँ यूरोप से पीछे नहीं हट रही हैं, लेकिन वे इस बात को लेकर तेजी से संशयग्रस्त हैं कि मौजूदा परिस्थितियाँ तेज़ वृद्धि को सहारा देंगी।

लगभग 33% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे अगले वर्ष निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। बाकी अधिकांश ने कहा कि उन्हें निवेश मोटे तौर पर अपरिवर्तित रहने की उम्मीद है। साथ ही, 60% ने कहा कि यूरोप में समग्र कारोबारी माहौल पिछले 12 महीनों में बिगड़ा है। 50% से अधिक ने नियामकीय मुद्दों को अगले वर्ष झेलनी पड़ने वाली मुख्य चुनौतियों में से एक बताया।

उद्योग समूह ने इन प्रतिक्रियाओं को इस चेतावनी के रूप में पेश किया कि स्पिरिट्स उत्पादन के वैश्विक केंद्र के रूप में यूरोप की स्थिति को सुरक्षित मान लेना उचित नहीं है। उत्पादक यूरोप को दुनिया के कई सबसे प्रसिद्ध स्पिरिट्स का स्वाभाविक घर मानते रह सकते हैं, लेकिन सर्वेक्षण से पता चलता है कि वे अधिक कठिन वैश्विक बाजार में क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा क्षमता को लेकर अधिक सतर्क हैं।

ये निष्कर्ष तब जारी किए गए जब उद्योग प्रतिनिधि ब्रसेल्स में बैठकों और कार्यक्रमों की एक सप्ताह-भर की श्रृंखला के लिए जुटे थे, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के आर्थिक योगदान को उजागर करना और भविष्य की वृद्धि का समर्थन करने वाली नीतियों के लिए दलील पेश करना था। spiritsEUROPE ने कहा कि यह कार्यक्रम यूरोपीय नीति-निर्माताओं के साथ संवाद को बढ़ावा देने के लिए है, ऐसे समय में जब उत्पादक प्रतिस्पर्धा-क्षमता और बाजार पहुंच पर तेज़ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

spiritsEUROPE के अध्यक्ष पैट्रिक पियाना ने कहा कि इस क्षेत्र की बुनियादी स्थितियाँ मजबूत हैं, लेकिन इसे तीव्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और अधिक सहायक नीतिगत माहौल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्पिरिट्स उत्पादक लंबे समय से स्थापित कौशल और विरासत को नवाचार के साथ जोड़ते हैं, पूरे यूरोप में, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, रोजगार पैदा करते हैं, और सफल निर्यातक बने हुए हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस रिकॉर्ड को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

समूह के महानिदेशक मार्क टिटरिंगटन ने कहा कि सदस्य लालफीताशाही कम करने, यूरोपीय संघ के एकल बाजार के कामकाज में सुधार लाने, और अधिक पूर्वानुमेय नियामकीय तथा कर ढांचा सुनिश्चित करने में तेज़ प्रगति चाहते हैं। उन्होंने व्यापार संवर्धन और बाजार पहुंच के लिए मजबूत समर्थन की भी अपील की, ताकि यूरोपीय उत्पादक विदेशों में अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा कर सकें।

सर्वेक्षण के नतीजे दिखाते हैं कि कई उत्पादक किसी एक दबाव-बिंदु को नहीं, बल्कि व्यापारिक फैसलों को प्रभावित करने वाले कारकों के संयोजन को देख रहे हैं। मुद्रास्फीति लगातार परिचालन लागत बढ़ा रही है, जबकि कुछ बाजारों में कमजोर घरेलू क्रय-शक्ति मांग को प्रभावित कर रही है। कंपनियों ने प्रशासनिक बोझ और कर-दबाव को भी विस्तार में बाधा बताया। इन घरेलू चिंताओं के ऊपर, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार विवाद निर्यातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ा रहे हैं।

यह एक ऐसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों और प्रीमियम उत्पादों के लिए यूरोप की प्रतिष्ठा पर काफी हद तक निर्भर करता है। यूरोपीय स्पिरिट्स उत्पादक ऐसे उत्पाद बेचते हैं जो अक्सर विशिष्ट क्षेत्रों और पारंपरिक

तरीकों से जुड़े होते हैं, जिससे वे ब्लॉक की व्यापक निर्यात पहचान का हिस्सा बनते हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि यह स्थिति अभी भी मजबूत की जा सकती है, लेकिन केवल तभी जब यूरोप प्रतिस्पर्धा-क्षमता में सुधार के लिए अधिक तेज़ी से कदम उठाए।

सर्वेक्षण के उत्तरदाताओं ने कहा कि वे कई क्षेत्रों में EU की स्पष्ट भूमिका देखते हैं। spiritsEUROPE के अनुसार, उत्पादक चाहते हैं कि यह ब्लॉक एक समानुपातिक नियामक, एक प्रभावी व्यापार वार्ताकार, एकल बाजार का रक्षक और प्रतिस्पर्धा-क्षमता का चालक बने। समूह ने कहा कि कंपनियों ने इस बात का स्वागत किया है कि EU संस्थाएँ प्रतिस्पर्धा-क्षमता और नियामकीय सरलीकरण पर अधिक ध्यान दे रही हैं, साथ ही भविष्य के व्यापार समझौतों के जरिए नए वाणिज्यिक अवसर खोलने के प्रयासों का भी।

फिर भी, सर्वेक्षण का संदेश यह था कि कई उत्पादकों का मानना है कि मौजूदा प्रयास पर्याप्त तेज़ नहीं हैं। spiritsEUROPE ने कहा कि यदि यूरोप इस क्षेत्र की दीर्घकालिक मजबूती बनाए रखना और अन्य जगहों के प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले पिछड़ना नहीं चाहता, तो व्यवसाय अधिक महत्वाकांक्षी कार्रवाई देखना चाहते हैं।

“Spirit of Life Week” के दौरान सर्वेक्षण का जारी होना उद्योग को ब्रसेल्स में यह मामला सीधे रखने के लिए एक मंच देता है। उत्पादक इस कार्यक्रम का उपयोग यह तर्क देने के लिए कर रहे हैं कि स्पिरिट्स सिर्फ एक उपभोक्ता उत्पाद नहीं हैं, बल्कि एक व्यापक मूल्य श्रृंखला का हिस्सा हैं, जो खेतों और उपकरण निर्माताओं से लेकर बार, रेस्टोरेंट और पर्यटन व्यवसायों तक फैली है। इस अर्थ में, सर्वेक्षण में उठाई गई चिंताएँ केवल डिस्टिलरीज़ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे यूरोप में श्रमिकों और आपूर्तिकर्ताओं के एक व्यापक समूह को प्रभावित करती हैं।

अभी के लिए, सर्वेक्षण एक मिश्रित तस्वीर पेश करता है। कंपनियाँ अब भी निवेश करने को तैयार हैं और यूरोप से बड़े पैमाने पर पीछे हटने का संकेत नहीं दे रही हैं। लेकिन आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि क्या यह क्षेत्र भविष्य की वृद्धि के लिए सही परिस्थितियाँ दे रहा है, इस पर स्पष्ट बेचैनी है, खासकर जब उत्पादक बढ़ती लागत, कड़े नियमन और अधिक अनिश्चित व्यापारिक माहौल से जूझ रहे हैं। टिटरिंगटन ने कहा कि सही परिस्थितियों के साथ, यह क्षेत्र पूरे महाद्वीप में, “खेत से गिलास तक,” नौकरियों और निवेश का समर्थन जारी रख सकता है।